Media Coverage

डाक्टर का जीवन सेवा, समर्पण और करुणा का प्रतीक- डॉ. संतोष

मंगलवार को फातिमा हॉस्पिटल में डॉक्टर्स-डे मनाया गया।

डॉक्टर्स-डे पर हुए विभिन्न आयोजन हुए

गोरखपुर। फातिमा हॉस्पिटल में मंगलवार को डॉक्टर्स-डे के मौके विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हॉस्पिटल के निदेशक फादर डॉ. संतोष सबेस्टियन ने कहा कि एक मरीज के लिए डॉक्टर की डिग्री नहीं, बल्कि उसका व्यवहार और इलाज की ईमानदारी मायने रखती है। मरीज उसी डॉक्टर को पसंद करता है, जिसे वह समझता है। इस मौके पर मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया। इसमें डॉक्टरों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सेवा, समर्पण और करुणा का प्रतीक है डॉक्टर का जीवन- फा. डॉ. संतोष सेबास्टियन

सेवा, समर्पण और करुणा का प्रतीक है डॉक्टर का

youtube.com

https://youtu.be/V8S0DXTonfw

https://youtu.be/V8S0DXTonfw

चैनल को लाइक सब्सक्राइब और शेयर करना न भूलें

https://www.facebook.com/share/v/16n3PCwkeB/

Aazad आवाज़ UP 53

3:59 pm

फातिमा अस्पताल में धूमधाम से मनाया गया डाक्टर्स डे

जनसंदेश टाइम्स गोरखपुर । फातिमा अस्पताल में डक्टर डी धूमधाम से मनाया गया फातिमा के डायरेक्टर ड फादर सेबेस्टियन ने सभी डक्टरों का स्वागत किया अपने संबोधन में डक्टर का रूप भगवान होता है गरीबों का सेवा करना ही डक्टरों का कर्तव्य है सभी मरीजो का सेवा मन से करना चाहिए। फातिमा अस्पताल के वरिष्ठ डक्टर विनय सिन्हा ने कहा जो डक्टर गरीबों के चेहरे पर मुस्कान नहीं लाया तो वह डक्टर अपनी जिंद्गी में असफल है क्योंकि बड़े नेता लोग पैसा देते हैं नहीं इज्जत नहीं देते है जबिक गरीब इज्जत देते है आप यही समझ लीजिए गरीब हमेशा डक्टर के आगे हाथ जोड़ता है इज्जत देता है तो ऐसे में डक्टर का भी फर्ज है कि अगर वह गरीब है इलाज के लिए इतना संभव नहीं कर सकता है लेकिन काम में ही डक्टर अगर उनका इलाज कर दे उनके चेहरे मुस्कान लौट जाएगी और आशीर्वाद देगा यही डक्टर का मतलब है अगर गरीब डक्टर के दरवाजे से आंसू गिर के चला गया तो वहां पर डक्टर शब्द ही नहीं दिखाई देता है तो सभी लोग पढ़ लिख कर आते हैं डक्टर बने हैं अच्छे से कार्य करें जिससे सभी के दिल में राज करें इलाज करके ना कि महर्षि से उनको लौटाया जाए और जो लोग गरीबों को अपना राज कर लेता है वही डक्टर सफल हो जाता है। डक्टपर दिवस पर डाक्टरों के बीच बैलून खेल हुआ जिसने जीता खेल उसको फादर ड सेबेस्टियन ने पुरस्त किया।

डॉक्टर का जीवन सेवा, समर्पण और करुणा का प्रतीक : फादर डॉ. संतोष

■ फातिमा अस्पताल में नेशनल डाक्टर्स डे पर नर्सिंग कालेज की छात्राओं ने प्रस्तुत किए सांस्कृतिक कार्यक्रम

पादरी बाजार (एसएनबी)। फातिमा अस्पताल पादरी बाजार परिसर में नेशनल डॉक्टर्स डे पर फातिमा नर्सिंग कलेज के ऑडिटोरियम में नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में उपस्थित डाक्टर्स को फातिमा अस्पताल के निदेशक डॉ. फादर संतोष सेबास्टियन ने सम्बोधित करते हुए कहा कि एक मरीज के लिए डॉक्टर की डिग्री नहीं उसका व्यवहार व ईमानदारी से किया गया इलाज मायने रखता है। मरीज उसी डाक्टर को पसंद करता है जो मरीज को सच्चे मन से समझे और इलाज करे। डाक्टर का जीवन सेवा, समर्पण व करुणा का प्रतीक है।

नेशनल डाक्टर्स डे की शुरुआत दीप प्रज्वलन से की गई। डाक्टर्स के सम्मान में केक काटे गए व डाक्टर्स को उपहार दिए गए। एक विशेष वीडियो क्लिप प्रदर्शित कर फातिमा अस्पताल के चिकित्सकों की कड़ी मेहनत व उपलब्धियों को दिखाया गया। कार्यक्रम में फातिमा अस्पताल के निदेशक फादर डा. संतोष सेबास्टियन सहित एसोसिएट डायरेक्टर फादर शिंजो मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा. विनय सिन्हा व मनीष सिंह सहित सभी स्टाफ मौजूद रहे। फातिमा अस्पताल के एसोसिएट डायरेक्टर फादर शिंजो ने सभी डाक्टर्स के प्रति आभार प्रकट किया।